DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

31 January, 2024

भारत में हिम तेंदुओं की स्थिति रिपोर्ट

संदर्भ: *हाल ही में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव द्वारा नई दिल्ली में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की बैठक में* ***भारत में हिम तेंदुओं की स्थिति रिपोर्ट*** *जारी किया किया।*

➢ **रिपोर्ट के मुख्य बिंदु:**

- वैज्ञानिक उपलब्धि: भारत में हिम तेंदुए की आबादी का आकलन (SPAI के अनुसार, भारत में 718 हिम तेंदुए हैं, जो एक उल्लेखनीय वैज्ञानिक उपलब्धि है।

➢ **राष्ट्रीय समन्वय और सहयोग:**

- भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) ने प्रकृति संरक्षण फाउंडेशन और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया समेत हिम तेंदुए रेंज वाले राज्यों और संरक्षण भागीदारों के सहयोग से एसपीएआई कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

➢ **भौगोलिक विस्तार:**

- एसपीएआई ने व्यवस्थित रूप से भारत में संभावित हिम तेंदुए की 70% से अधिक रेंज को कवर किया, जिसमें वन और वन्यजीव कर्मचारी, शोधकर्ता, स्वयंसेवक और अन्य भागीदारों का योगदान शामिल है।

➢ **स्थानिक वितरण मूल्यांकन:**

- दो-चरणीय प्रणाली का उपयोग करते हुए, SPAI ने वर्ष 2019 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के साथ, निवास स्थान सहसंयोजकों को शामिल करके हिम तेंदुए के स्थानिक वितरण का मूल्यांकन किया था।

➢ **बहुतायत का अनुमान:**

- दूसरे चरण में पहचाने गए स्तरीकृत क्षेत्रों में कैमरा ट्रैप का उपयोग करके हिम तेंदुए की बहुतायत का अनुमान लगाया गया है, जो ट्रांस-हिमालयी क्षेत्र में हिम तेंदुए के निवास स्थान के लगभग 120,000 किमी वर्ग क्षेत्र को कवर करता है।

➢ **सर्वेक्षण के प्रयास:**

- एसपीएआई के दौरान, प्रयासों में हिम तेंदुए के संकेतों को रिकॉर्ड करने के लिए 13,450 किलोमीटर के मार्गों का सर्वेक्षण करना और 180,000 ट्रैप रातों के लिए 1,971 स्थानों पर कैमरा ट्रैप तैनात करना शामिल था।

➢ **राज्य द्वारा जनसंख्या अनुमान:**

- डेटा विश्लेषण के आधार पर, विभिन्न राज्यों में हिम तेंदुए की अनुमानित आबादी इस प्रकार है: लद्दाख (477), उत्तराखंड (124), हिमाचल प्रदेश (51), अरुणाचल प्रदेश (36), सिक्किम (21), और जम्मू और कश्मीर (9)।

➢ **हिम तेंदुआ रेंज की बेहतर समझ:**

- 80% रेंज (लगभग 79,745 किमी2) के लिए प्रारंभिक डेटा हाल के स्थिति सर्वेक्षणों द्वारा प्रदान किया गया है, जिससे 2016 में 56% की तुलना में समझ में काफी सुधार हुआ है।

➢ **संरक्षण के लिए सिफारिशें:**

- रिपोर्ट में MoEFCC के तहत WII में एक समर्पित स्नो लेपर्ड/हिम तेंदुए सेल स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। यह अच्छी तरह से संरचित अध्ययन डिजाइन और लगातार क्षेत्र सर्वेक्षणों द्वारा समर्थित दीर्घकालिक जनसंख्या निगरानी पर ध्यान केंद्रित करता है।

➢ **दीर्घकालिक अस्तित्व के लिए लगातार निगरानी:**

- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को; लगातार निगरानी सुनिश्चित करने और प्रभावी संरक्षण रणनीति तैयार करने के लिए, हिम तेंदुए की सीमा में आवधिक जनसंख्या अनुमान दृष्टिकोण (प्रत्येक चौथे वर्ष) अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

➢ **हिम तेंदुआ**

- **नाम:** हिम तेंदुआ
- **वैज्ञानिक नाम:** पैंथेरा अन्सिया
- **भारत में जनसंख्या:** अनुमानित 400-700
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - संवेदनशील (आईयूसीएन)
  - अनुसूची I (वन्यजीव अधिनियम, 1972 - भारत)

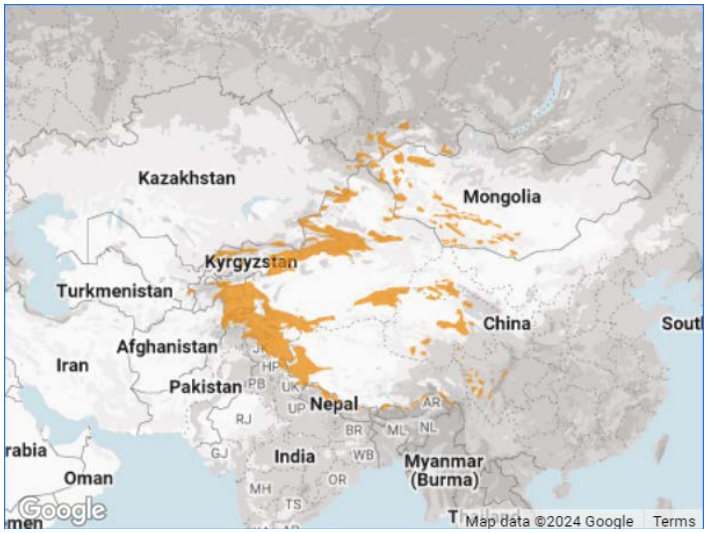

- **भारत में निवास स्थान:** पश्चिमी और पूर्वी हिमालय।
- **पर्यावास प्राथमिकताएँ:** खड़ी ढलानों वाली, ऊबड़-खाबड़ भूभाग, 3,000-5,000 मी से अधिक।
- **वैश्विक स्थिति**: CITES परिशिष्ट I

भारतीय अर्थव्यवस्था: एक समीक्षा

संदर्भ: *अंतरिम बजट से एक दिन पहले सीईए द्वारा आर्थिक सर्वेक्षण नहीं लाया जाएगा। इसके बजाय सीईए ने भारत की आर्थिक अंतर्दृष्टि या समीक्षा पर एक रिपोर्ट जारी की है।*

➢ आम चुनाव से पहले पेश नहीं किए जाने और वर्ष 2024 में बजट प्रक्रिया में संभावित व्यवधान जैसे कारणों से आर्थिक सर्वेक्षण इस बार नहीं लाया जा रहा है।

➢ आर्थिक सर्वेक्षण आम तौर पर प्रत्येक वर्ष 1 फरवरी को केंद्रीय बजट से पहले वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।

➢ **भारतीय अर्थव्यवस्था समीक्षा 2024 का विषय:** दो मुख्य अध्यायों में विभाजित यह रिपोर्ट, भारत के आर्थिक विकास, चुनौतियों और लचीलेपन संबंधी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

- **अध्याय 1: भारतीय अर्थव्यवस्था - अतीत, वर्तमान और भविष्य**
  - इसमें आज़ादी के बाद से भारत की आर्थिक यात्रा का व्यापक अवलोकन दिया गया है।
  - साथ ही प्रारंभिक औद्योगीकरण से लेकर महामारी जैसी हाल की वैश्विक घटनाओं तक, के विभिन्न समयावधियों की आर्थिक स्थितियों का उल्लेख किया गया है।
  - भारत के परिवर्तनकारी विकास में योगदान देने वाले महत्वपूर्ण सुधारों और रणनीतियों को भी उजागर किया गया है।
- **अध्याय 2: किस चीज़ ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लचीला बनाया?**
  - यह अध्याय भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन में योगदान देने वाले कारकों की जांच करता है, खासकर हाल की वैश्विक चुनौतियों के संदर्भ में।
  - यह वित्त, विनिर्माण, डिजिटल बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में नीतिगत उपायों, सुधारों और पहलों की भी जांच करता है।

➢ **भारतीय अर्थव्यवस्था समीक्षा 2024 का सारांश**

- **आर्थिक विकास अनुमान**
  - पिछले दशक में भारत की उल्लेखनीय आर्थिक वृद्धि ने इसे 5वीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था का दर्जा दिलाया है।
  - वित्तीय वर्ष 2024 के लिए अनुमानित विकास दर 7% है, जिसके वित्तीय वर्ष 2025 तक ऐसे ही रहने की संभावना है।
  - एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स जैसी वैश्विक एजेंसियों ने भी इस आशावाद की पुष्टि की है।
  - **ऐतिहासिक वृद्धि:** वित्तीय वर्ष 2023 में 7.2% और वित्तीय वर्ष 2022 में 8.7% की वृद्धि दर्ज की गयी थी।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | **LAXMI NAGAR :** 9205212500, 9205962002 | **RAJENDRA NAGAR:** 9205274743 | **UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ:** 0532-2260189, 8853467068 | **LUCKNOW** (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | **LUCKNOW** (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | **GREATER NOIDA:** 9205336037, 38 | **KANPUR:** 7887003962, 7897003962 | **GORAKHPUR** : 7080847474, 9161947474 | **ODISHA BHUBANESWAR:** 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- इस समय बाजार पूंजीकरण के क्षेत्र में हांगकांग को पीछे कर भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है।

- **विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की संभावना:**
  - इस समय भारत 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी का लक्ष्य रखते हुए दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।
  - यह लक्ष्य सार्वजनिक क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में तेजी से विकास, वित्तीय स्वास्थ्य और जन धन योजना जैसी पहलों द्वारा समर्थित है।
  - इस संदर्भ में जन धन योजना के तहत 51 करोड़ बैंक खाते, जिनमें कुल जमा राशि ₹2.1 लाख करोड़ से अधिक है। इनमें से 55% से अधिक महिलाएं हैं।
  - वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन के बाद भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी फिनटेक अर्थव्यवस्था है।

- **चुनौतियाँ और अवसर**
  - इस समय भारत भू-राजनीतिक संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान और वैश्विक बदलाव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है।
  - कोविड का प्रभावी प्रबंधन और ऊर्जा संक्रमण के प्रति संतुलित दृष्टिकोण भी इस समबन्ध में लचीलापन प्रदर्शित करता है।
  - **वैश्विक जोखिम:** भू-राजनीतिक संघर्ष और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान।
  - **तकनीकी प्रगति:** एआई और वैश्विक विनिर्माण में अपेक्षित परिवर्तन।
  - **ऊर्जा परिवर्तन**: आर्थिक विकास और हरित ऊर्जा पहल को संतुलित करना।
  - **टीकाकरण प्रभाव:** त्वरित आर्थिक सुधार में योगदान।
  - **तेल आपूर्ति प्रबंधन:** आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में तेल आपूर्ति प्रबंधन का उल्लेखनीय योगदान है।

- **भविष्य का दृष्टिकोण:**
  - भारत की बढ़ती आकांक्षाएं, एक स्वस्थ वित्तीय क्षेत्र और 7% से ऊपर निरंतर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि की कामना करता है।
  - **सर्व-समावेशी कल्याण दृष्टिकोण:** यह दृष्टिकोण उपभोग आधार के विस्तार में योगदान करता है।
  - **जीडीपी वृद्धि 7% से अधिक:** संरचनात्मक सुधारों और वित्तीय क्षेत्र की मजबूती के कारण आने वाले वर्षों में संभवतः यह लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।
  - **अति-वैश्वीकरण बदलाव:** वैश्विक विनिर्माण निर्भरता को कम करना।
  - **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रभाव:** सेवा व्यापार और रोजगार में संभावित चुनौतियाँ को समाप्त करना।
  - **ऊर्जा परिवर्तन:** हरित ऊर्जा पहल के साथ आर्थिक विकास को संतुलित करना।

- **आर्थिक सर्वेक्षण:**
  - भारत का आर्थिक सर्वेक्षण वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किया जाने वाला एक वार्षिक रिपोर्ट है, जिसे आम तौर पर केंद्रीय बजट से एक दिन पहले संसद में पेश किया जाता है।
  - इसे मुख्य आर्थिक सलाहकार के मार्गदर्शन में आर्थिक मामलों के विभाग के अर्थशास्त्र प्रभाग द्वारा तैयार किया जाता है।
  - यह सर्वेक्षण पिछले 12 महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास की समीक्षा करता है और चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।
  - यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), मुद्रास्फीति, रोजगार और व्यापार पर डेटा पेश करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान करता है।
  - आर्थिक सर्वेक्षण पेश करने की परंपरा वर्ष 1950-51 से चली आ रही है।
  - शुरुआत में, 1964 तक इसे केंद्रीय बजट के साथ पेश किया जाता था, लेकिन 1964 के बाद से इसे बजट से अलग कर दिया गया।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

कार्बन बाजार

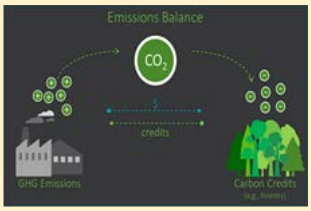

हाल ही में, केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र में स्वैच्छिक कार्बन बाजारों को बढ़ावा देने के लिए एक रूपरेखा बनाई है।

कॉर्बन मार्केट के बारे में:

- कार्बन बाज़ार वे वित्तीय प्रणालियाँ हैं जहाँ कार्बन क्रेडिट खरीदे और बेचे जाते हैं।
- ये बाज़ार कार्बन उत्सर्जन के लिए एक मौद्रिक मूल्य स्थापित करते हैं, प्रदूषकों पर लगाकर उत्सर्जन में कटौती को प्रोत्साहित करते हैं।
- कार्बन बाज़ार दो मुख्य प्रकार के होते हैं - सरकारी नीतियों द्वारा विनियमित अनुपालन बाज़ार और स्वैच्छिक बाज़ार जहाँ संस्थाएँ स्वेच्छा से अपने उत्सर्जन की भरपाई करती हैं।
- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) जैसे संगठन जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए कार्बन बाजार तंत्र को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते हैं।
- पेरिस समझौते का अनुच्छेद 6 देशों को अपने एनडीसी (राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान) को पूरा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्बन बाजारों का उपयोग करने की अनुमति देता है।
- पहला अंतर्राष्ट्रीय कार्बन बाज़ार 1997 में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के क्योटो प्रोटोकॉल के साथ बनाया गया था।

सी-बॉट

हाल ही में, गोवा स्थित राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (एनआईओ) ने मूंगा चट्टानों की दीर्घकालिक निगरानी के लिए एक कोरल रीफ मॉनिटरिंग एंड सर्विलांस रोबोट या सी-बॉट लॉन्च किया है।

सी-बॉट के बारे में:

- सी-बॉट एक कोरल ऑटोनॉमस अन्डर वाटर विहीकल (**coral autonomous underwater vehicle**) है जो लंबे समय तक मूंगा चट्टानों की निगरानी करता है।
- यह उन्नत निगरानी क्षमताओं वाला एक उन्नत रोबोट है।
- यह पानी के भीतर 200 मीटर की गहराई तक यात्रा करने में सक्षम है और हिंद महासागर की गहराई को स्कैन कर सकता है।
- यह नौसेना को नेविगेशन चैनलों की योजना बनाने और हाइड्रोथर्मल वेंट को बाहर निकालने में मदद करने के लिए बैथीमेट्री अध्ययन करने में भी मदद करेगा जहां भू-तापीय रूप से गर्म पानी समुद्र तल के नीचे से रिसता है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

31 January, 2024

कुटिया जनजाति

कुटिया कोंध समुदाय के दो व्यक्ति हाल ही में नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए हैं।

कुटिया जनजाति के बारे में:

- कुटिया कोंध, कोंध जनजाति का एक आदिम वर्ग है।
- ये ओडिशा के कालाहांडी जिले में एक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय (पीवीटीजी) समूह हैं। ये घाटियों और पहाड़ी चोटियों पर रहते हैं और स्थानांतरित खेती, लघु कृषि और गैर-लकड़ी वन उत्पाद (एनटीएफपी) इकट्ठा करने पर निर्भर हैं।
- डोंगर चास या पोडु चास एक शब्द है जिसका उपयोग कोंधों द्वारा स्थानांतरित खेती या स्लेश-एंड-बर्न कृषि का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- ये प्रकृति पूजक हैं और उनके परिवार अधिकतर एकल और पितृसत्तात्मक हैं।
- ओडिशा सरकार ने आदिवासी समुदाय के लिए बाजरा के महत्व को पहचानने के लिए 2017 में बाजरा मिशन पहल शुरू की।
- वर्तमान में, भारत 75 जनजातियों को विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के रूप में मान्यता देता है।

लाफिंग गुल

हाल ही में, उत्तरी अमेरिका से लाफिंग गुल को भारत में पहली बार केरल के कासरगोड जिले के चित्तारी मुहाने पर देखा गया है।

लाफिंग गुल के बारे में:

- लाफिंग गुल (ल्यूकोफियस एट्रिसिला) लंबे पंखों वाला एक मध्यम आकार का गूल है जो उत्तर और दक्षिण अमेरिका में रहता है।
- यह आमतौर पर तटीय क्षेत्रों, विशेष रूप से समुद्र तटों और नमक दलदलों में पाया जाता है।
- यह अपनी अनोखी हंसी जैसी आवाजों के लिए जाना जाता है और उत्तरी अमेरिका से राज्य के तटीय क्षेत्र तक हजारों किलोमीटर की यात्रा करने की क्षमता रखता है।
- यह पक्षी प्रजनन काल के दौरान दिन में सक्रिय रहता है लेकिन रात में भोजन खोजता है।
- यह एक मेहतर और सर्वाहारी है और इसका वैज्ञानिक नाम इसकी हंसी जैसी आवाज़ से आता है।
- इसका ऊपरी हिस्सा काला, पैर काले, लंबी झुकी हुई चोंच और सिर के पिछले हिस्से पर गहरा धब्बा है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) द्वारा "न्यूनतम चिंता" के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

सुर्खियों में स्थल

बांग्लादेश

हाल ही में, बर्लिन स्थित ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल (TI) के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI) 2023 में बांग्लादेश दो स्थान फिसलकर दुनिया का 10वां सबसे भ्रष्ट देश बन गया है।

बांग्लादेश (राजधानी: ढाका)

अवस्थिति: बांग्लादेश दक्षिण एशिया में स्थित एक घनी आबादी वाला, निचला क्षेत्र और मुख्य रूप से नदी तटीय देश है।

भौगोलिक सीमाएँ: बांग्लादेश की सीमा भारत (पूर्व, पश्चिम और उत्तर), म्यांमार (दक्षिण पश्चिम) और बंगाल की खाड़ी (दक्षिण) से लगती है।

भौतिक विशेषताएं:

- टैजिंग डोंग पीक 1, जिसे बिजय के नाम से भी जाना जाता है, बांग्लादेश की सबसे ऊंची पर्वत चोटी है।
- पद्मा बांग्लादेश की एक प्रमुख नदी है जो गंगा नदी की सहायक नदी है।

भारत-बांग्लादेश संबंध:

- भारत-बांग्लादेश संबंध साझा ऐतिहासिक संदर्भों से विकसित हुए हैं, विशेष रूप से 1947 में भारत के विभाजन के दौरान।
- भारत ने 1971 में मुक्ति संग्राम के दौरान बांग्लादेश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसकी संप्रभुता को मान्यता देने वाला पहला देश बना।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में सुर्खियाँ बटोर रहा सिंगचुंग बुगुन ग्राम सामुदायिक रिजर्व किस राज्य में है? - **अरुणाचल प्रदेश**
- हाल ही में इसरो द्वारा लॉन्च किया गया INSAT-3DS किस प्रकार का उपग्रह है? - **मौसम विज्ञान उपग्रह**
- हाल ही में सुर्खियों में आया डोगरी लोक नृत्य किस राज्य/केंद्र शासित प्रदेश का प्रसिद्ध लोक नृत्य है? - **जम्मू-कश्मीर**
- संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार यह कहा गया है कि "भारत का एक सर्वोच्च न्यायालय होगा"? - **अनुच्छेद 124**
- हाल ही में खबरों में आए राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) से कौन सा मंत्रालय सम्बद्ध है? - **वित्तमंत्रालय**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com